



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम सत्र 2025–2026

विषय कोड–08

कक्षा–10

विषय :—सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है—

| प्रश्नपत्र | समय(घंटे) | प्रश्नपत्र के लिए अंक | सत्रांक | पूर्णांक |
|------------|-----------|-----------------------|---------|----------|
| एकपत्र | 3:15 | 80 | 20 | 100 |

I - (इतिहास) (History)

पुस्तक का नाम :— भारत और समकालीन विश्व – भाग–2

20

एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name- INDIA AND THE CONTEMPORARY WORLD – Part-2

NCERT's Book Published under Copyright.

1. घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

Events and Processes

A. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

4

The Rise of Nationalism in Europe

फ्रांसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार, यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण – कुलीन वर्ग और नया मध्यवर्ग, उदारवादी राष्ट्रवाद, 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद, क्रांतिकारी, क्रांतियों का युग 1830–1848—रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना, भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह, 1848 : उदारवादियों की क्रांति, जर्मनी और इटली का निर्माण, जर्मन सेना, इटली, ब्रिटेन की अजीब दास्तान, राष्ट्र की दृश्य—कल्पना, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद।

The French Revolution and the Idea of the Nation, The Making of Nationalism in Europe – The Aristocracy and the New Middle Class, Liberal Nationalism, A New Conservatism after 1815, The Revolutionaries, The Age of Revolutions: 1830-1848 – The Romantic Imagination and National Feeling, Hunger, Hardship and Popular Revolt, 1848 : The Revolution of the Liberals, The Making of Germany and Italy- German Army, Italy Unified, The strange Case of Britain, Visualising the Nation, Nationalism and Imperialism.

B. भारत में राष्ट्रवाद

4

Nationalism in India

प्रथम विश्व युद्ध, खिलाफत और असहयोग – सत्याग्रह का विचार, रॉलट एक्ट, असहयोग आंदोलन, आंदोलन के भीतर अलग-अलग धाराएँ – शहरों में आंदोलन, ग्रामीण इलाकों में विद्रोह, बागानों में स्वराज, सविनय अवज्ञा की ओर – नमक यात्रा और सविनय अवज्ञा आंदोलन, आंदोलन में लोगों की सहभागिता, सविनय अवज्ञा की सीमाएँ, सामूहिक अपनेपन का भाव – भारत छोड़े आंदोलन।

The First World War, Khilafat and Non – Cooperation – The Idea of Satyagraha, The Rowlatt Act, Non- cooperation movement, Differing Strands within the Movement – The Movement in the Towns, Rebellion in the Countryside, Swaraj in the Plantations, Towards Civil Disobedience – The Salt March and the Civil Disobedience Movement, Participation of People in the Movement, The Limits of Civil Disobedience, The Sense of Collective Belonging – Quit India Movement.

2. जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज Livelihoods, Economies and Societies

A. भूमण्डलीकृत विश्व का बनना

4

The Making of a Global World

आधुनिक युग से पहले – रेशम मार्ग (सिल्क रूट) से जुड़ती दुनिया, भोजन की यात्रा : रैघेत्ती और आलू, विजय, बीमारी और व्यापार, उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) – विश्व अर्थव्यवस्था का उदय, तकनीक की भूमिका, उन्नीसवीं सदी के आखिर में उपनिवेशवाद, रिंडरपेस्ट या मवेशी प्लेग, भारत से अनुबंधित श्रमिकों का जाना, विदेश में भारतीय उद्यमी, भारतीय व्यापार, उपनिवेशवाद और वैश्विक व्यवस्था, महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था – युद्धकालीन रूपांतरण, युद्धोत्तर सुधार, बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपभोग, महामंदी, भारत और महामंदी, विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण : युद्धोत्तर काल – युद्धोत्तर बंदोबस्त और ब्रेटन-वुड्स संस्थान, प्रारंभिक युद्धोत्तर वर्ष, अनौपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता, ब्रेटन वुड्स का समापन और वैश्वीकरण की शुरुआत।

The Pre-modern world – Silk Routes Link the World, Food Travels: Spaghetti and Potato, Conquest, Disease and Trade, The Nineteenth Century (1815-1914) – A World Economy Takes Shape, Role of Technology, Late nineteenth-century Colonialism, Rinderpest, or the Cattle Plague, Indentured Labour Migration From India, Indian Entrepreneurs Abroad, Indian Trade, Colonialism and the Global System, The Inter-war Economy – Wartime Transformations, Post-war Recovery, Rise of Mass Production and Consumption, The Great Depression, India and the Great Depression, Rebuilding a World Economy: The Post-War Era – Post-war Settlement and the Bretton Woods Institutions, The Early post-war Years, Decolonisation and Independence, End of Bretton Woods and the Beginning of Globalisation.

B. औद्योगीकरण का युग

4

The Age of Industrialisation

औद्योगिक क्रांति से पहले – कारखानों का उदय, औद्योगिक परिवर्तन की रफ्तार, हाथ का श्रम और वाष्प शक्ति – मजदूरों की जिंदगी, उपनिवेशों में औद्योगीकरण – भारतीय कपड़े का युग, बुनकरों की स्थिति, भारत में मैनचेस्टर का आना, फैक्ट्रियों का आना – प्रारंभिक उद्यमी, विभिन्न स्थानों से मजदूरों का आगमन, औद्योगिक विकास का अनूठापन – लघु उद्योगों की बहुतायत, वस्तुओं के लिए बाजार।

Before the Industrial Revolution – The Coming Up of the Factory, The Pace of Industrial Change, Hand Labour and Steam Power – Life of the Workers, Industrialisation in the colonies - The Age of Indian Textiles, The condition of the weavers, Manchester Comes to India, Factories Come Up – The Early Entrepreneurs, Arrival of workers from different places, The Peculiarities of Industrial Growth – Small-scale Industries Predominate, Market for Goods.

3. रोजाना की जिंदगी, संस्कृति और राजनीति Every day Life, Culture and Politics

A. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया

4

Print Culture and the Modern World

शुरूआती छपी किताबें— जापान में मुद्रण, यूरोप में मुद्रण का आना — गुटेन्बर्ग और प्रिंटिंग प्रेस, मुद्रण क्रांति और उसका असर — नया पाठक वर्ग, धार्मिक विवाद और प्रिंट का डर, मुद्रण और प्रतिरोध, पढ़ने का जुनून — दुनिया के जालिमों, अब हिलोगे तुम, मुद्रण संस्कृति और फ्रांसीसी क्रांति, उन्नीसवीं सदी — बच्चे, महिलाएँ और मजदूर, नए तकनीकी परिष्कार, भारत का मुद्रण संसार — मुद्रण युग से पहले की पांडुलिपियाँ, छपाई भारत आई, धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहसें, प्रकाशन के नए रूप — महिलाएँ और मुद्रण, प्रिंट और गरीब जनता, प्रिंट और प्रतिबन्ध।

The First Printed Books – Print in Japan, Print Comes to Europe – Gutenberg and the Printing Press, The Print Revolution and its Impact – A New Reading Public, Religious Debates and the Fear of Print, Print and Dissent, The Reading Mania – Tremble, therefore, tyrants of the world, Print Culture and the French Revolution, The Nineteenth Century – Children, Women and Workers, Further Innovations, India and the World of Print – Manuscripts Before the Age of Print, Print Comes to India, Religious Reform and Public Debates, New Forms of Publication – Women and Print, Print and the Poor People, Print and Censorship.

II - (भूगोल) (Geography)

पुस्तक का नाम:— समकालीन भारत—2 (भूगोल)

20

एन.सी. ई.आर. टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name: Contemporary India-II (Geography)

NCERT's Book published under copyright.

1. संसाधन एवं विकास

3

संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों का विकास, भारत में संसाधन नियोजन, भू—संसाधन, भू—उपयोग, भारत में भूमि उपयोग प्रारूप, भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय, मृदा संसाधन, मृदाओं का वर्गीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण।

RESOURCES AND DEVELOPMENT

Classification of Resources, Development of Resources, Resources Planning in India, Land Resources, Land Utilisation, Land use pattern in India, Land degradation and conservation measures, Soil as a resource, Classification of Soils, Soils Erosion and Soil Conservation.

2. वन एवं वन्य जीव संसाधन

2

भारत में वनस्पतिजात एवं प्राणिजात, भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण, वन और वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण, समुदाय और वन संरक्षण।

FOREST AND WILDLIFE RESOURCES

3. जल संसाधन

3

जल दुर्लभता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता, बहु-उद्देशीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन, वर्षा जल संग्रहण।

WATER RESOURCES

Water Scarcity and the need of water conservation and management, Multi-Purpos, River Project and Integrated water resources management, Rain water Harvesting.

4. कृषि

3

कृषि के प्रकार – प्रांतिक जीविका निर्वाह कृषि, गहन जिविका कृषि, वाणिज्यिक कृषि, शस्य प्रारूप, मुख्य फसले- चावल, गेहूँ, मोटे अनाज- बाजरा, मक्का, दाले, खाधान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसले, बागवानी फसले, अखाद्य फसले, रेशेदार फसले, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार।

AGRICULTURE

Types of Farming – Primitive subsistence Farming, Intensive subsistence Farming, Commercial Farming, Cropping Pattern, Major Crops- Rice, Wheat, Millets- Bajra, Maize, Pulses, Food Crops other than Grains, Horticultur, Non- Food Crops, Fibre Crops, Technological and Institutional Reforms.

5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

4

खनिज से अभिप्राय, खनिजों की उपलब्धता, लौह और अलौह खनिज, अधात्तिक खनिज, चट्टानी खनिज, खनिजों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधन: पंरपरागत और गैर पंरपरागत, ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण।

MINERALS AND ENERGY RESOURCES

Meaning of Minerals, Mode of Occurrence of Minerals, Ferrous and non-ferrous Minerals, Non-Metallic minerals, Rock minerals, Conservation of Minerals Energy Resources-conventional And non-conventional sources, conservation of energy recourses

6. विनिर्माण उद्योग

2

विनिर्माण का महत्व, उद्योगों का वर्गीकरण, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण, पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम।

MANUFACTURING INDUSTRIES

Importance of Manufacturing, Classification of Industries, Industrial Pollution and environmental Degradation, Control of Environmental Degradation

7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

3

परिवहन – स्थल परिवहन, रेल परिवहन, पाइपलाइन, जल परिवहन व प्रमुख समुद्री पत्तन, वायु परिवहन, संचार सेवाएँ, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन-एक व्यापार के रूप में।

LIFELINE OF NATIONAL ECONOMY

Transport: Roadways, Railways, Pipelines, Waterways and Major Sea Ports, Airways, Communication, International trade, Tourism-as a trade.